

समर्थन मूल्य पर अरहर, उड़द और मूंग की खरीदी

चर्चा में क्यों?

20 जुलाई, 2022 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, राज्य शासन द्वारा खरीफ वपिणन वर्ष 2022-23 में किसानों से समर्थन मूल्य पर अरहर, उड़द और मूंग की खरीदी की जाएगी।

प्रमुख बिंदु

- कृषिविकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा राज्य में अरहर, उड़द एवं मूंग फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिये वसित्त दशा-नरिदेश सभी संभागायुक्तों, कलेक्टरों सहित मार्कफेड एवं मंडी बोर्ड को जारी किये गए हैं।
- उड़द एवं मूंग का उपार्जन 17 अक्टूबर, 2022 से 16 दिसंबर, 2022 तक तथा अरहर का उपार्जन 13 मार्च, 2023 से 12 मई, 2023 तक की अवधि में कया जाएगा।
- इनका उपार्जन छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी वपिणन संघ मार्कफेड के माध्यम से कया जाएगा। किसानों से अरहर और उड़द 6,600 रुपए तथा मूंग की खरीदी 7,755 रुपए परत क्वटिल की दर से की जाएगी।
- गोदाम एवं भंडारण की सुविधायुक्त 25 कृषिउपज मंडियों को अरहर, मूंग और उड़द की खरीदी के लिये उपार्जन केंद्र के रूप में चहिनांकति कया गया है।
- राज्य में भाटापारा, गरयाबंद, महासमुंद, बसना, दुर्ग, बेमेतरा, राजनांदगाँव, खैरागढ़ डोंगरगढ़, गंडई, कवर्धा, पंडरया, मुंगेली, लोरमी, सक्ती, रायगढ़, अंबिकापुर, सूरजपुर, रामानुजगंज, जशपुर, कौंडागाँव, केशकाल, नारायणपुर, संबलपुर, परखांजूर कृषि मंडी में अरहर, मूंग और उड़द की खरीदी समर्थन मूल्य पर होगी।
- उपार्जन केंद्र पर आवश्यक भौतिक संसाधनों, उपकरणों एवं मानव संसाधन की व्यवस्था मार्कफेड द्वारा की जाएगी।
- 'यूनफाईड फार्मर पोर्टल' पर कृषक का पंजीयन कर उपलब्ध डाटा नाफेड को दया जाएगा। नाफेड द्वारा डाटा को ई-समृद्धिपोर्टल में उपार्जन हेतु इंटीग्रेड कया जाएगा एवं चयनति उपार्जन केंद्रों से उक्त कृषकों की टैगि की जाएगी। डाटा के आधार पर ही किसानों से खरीदी कर भुगतान कया जाएगा। किसानों की भूमि, बोई गई फसल का रकबा आदि का मैदानी सत्यापन एवं रैंडम सत्यापन कया जाएगा।
- उपार्जन केंद्रों में कृषकों की सामान्य जानकारी हेतु एफएक्यू उत्पाद का प्रदर्शन सुनश्चिति करने के साथ ही यह भी सुनश्चिति कया जाएगा कि एफएक्यू मानक का अरहर, उड़द एवं मूंग का समर्थन मूल्य से कम पर उपार्जन केंद्र में वक्रिय न हो। एफएक्यू गुणवत्ता की खरीदी की सघन मॉनटरिगि की जाएगी।
- रैंडम सैपलिंग हेतु नाफेड के साथ राज्यस्तरीय संयुक्त टीम गठति की जाएगी, जो उपार्जन केंद्र के खरीदी कार्य की तैयारी से लेकर संग्रहण तक का नरीक्षण करेगी। किसान से क्रय की गई मात्रा की प्रटिड रसीद, जसिमें देय राशिका उल्लेख हो, उपार्जन केंद्र परभारी द्वारा हस्ताक्षर कर किसान को दी जाएगी।
- गौरतलब है कि खरीफ सीज़न 2022 में राज्य में एक लाख 40 हजार हेक्टेयर में अरहर, 22 हजार हेक्टेयर में मूंग तथा एक लाख 75 हजार हेक्टेयर में उड़द की खेती का लक्ष्य है। कृषिविभाग द्वारा राज्य में 94,500 मीटरकि टन अरहर, 12,100 मीटरकि टन मूंग तथा 70,000 मीटरकि टन उड़द का उत्पादन अनुमानति है।